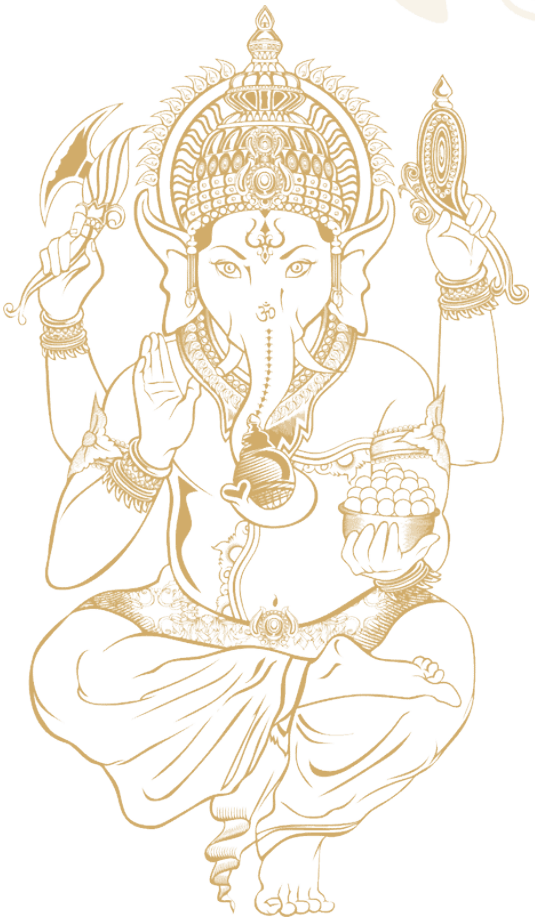

01 Jan 2026

08:28 PM

Gorakhpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 120939002

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**01/01/2026**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**20:28:00 घंटे**
इष्ट	34:16:25 घटी
स्थान	**Gorakhpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:45:00 उत्तर
रेखांश	83:23:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:03:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:31:32 घंटे
वेलान्तर	-00:03:27 घंटे
साम्पातिक काल	03:16:38 घंटे
सूर्योदय	06:45:25 घंटे
सूर्यास्त	17:14:48 घंटे
दिनमान	10:29:23 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	16:58:56 धनु
लग्न के अंश	29:36:43 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 4**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	शुक्ल
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वू-वुभेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	29:36:43	314:21:26	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	---
सूर्य			धनु	16:58:56	01:01:08	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	मित्र राशि
चंद्र			वृष	21:52:00	15:03:08	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	मूलत्रिकोण
मंगल		अ	धनु	18:56:40	00:46:00	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	मित्र राशि
बुध			धनु	05:22:57	01:31:45	मूल	2	19	गुरु	केतु	मंगल	सम राशि
गुरु	व		मिथु	27:03:15	00:07:52	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र		अ	धनु	15:46:11	01:15:30	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	सम राशि
शनि			मीन	01:58:56	00:03:33	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	16:38:22	00:09:04	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	16:38:22	00:09:04	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:42:38	00:01:37	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:17:34	00:00:46	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो			मक	08:30:56	00:01:49	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			मेष	27:21:41	--	कृतिका	--	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:19

लग्न-चलित

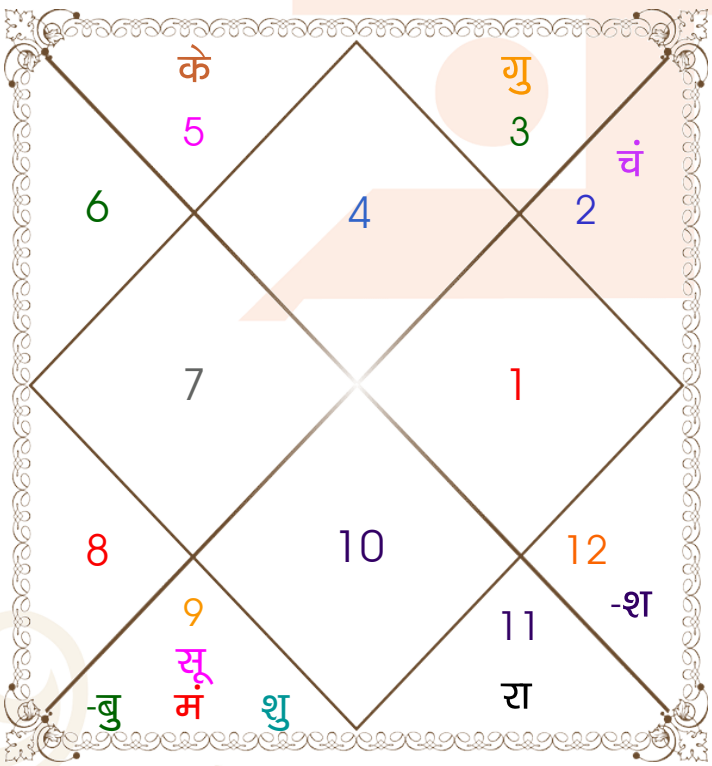

चन्द्र कुंडली

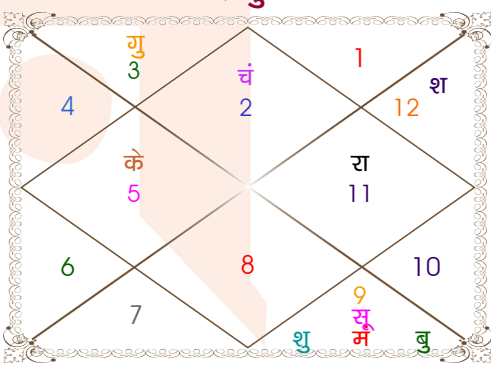

नवमांश कुंडली

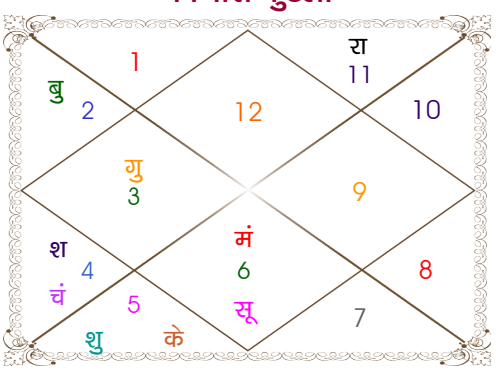

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 1 वर्ष 1 मास 6 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
01/01/2026		07/02/2027		07/02/2034		07/02/2052		07/02/2068	
07/02/2027		07/02/2034		07/02/2052		07/02/2068		07/02/2087	
	00/00/0000	मंगल	06/07/2027	राहु	20/10/2036	गुरु	28/03/2054	शनि	10/02/2071
	00/00/0000	राहु	24/07/2028	गुरु	16/03/2039	शनि	08/10/2056	बुध	20/10/2073
	00/00/0000	गुरु	30/06/2029	शनि	20/01/2042	बुध	14/01/2059	केतु	29/11/2074
	00/00/0000	शनि	08/08/2030	बुध	08/08/2044	केतु	21/12/2059	शुक्र	29/01/2078
	00/00/0000	बुध	06/08/2031	केतु	26/08/2045	शुक्र	21/08/2062	सूर्य	11/01/2079
	00/00/0000	केतु	02/01/2032	शुक्र	26/08/2048	सूर्य	09/06/2063	चंद्र	11/08/2080
	01/01/2026	शुक्र	03/03/2033	सूर्य	21/07/2049	चंद्र	08/10/2064	मंगल	20/09/2081
शुक्र	08/08/2026	सूर्य	09/07/2033	चंद्र	20/01/2051	मंगल	14/09/2065	राहु	27/07/2084
सूर्य	07/02/2027	चंद्र	07/02/2034	मंगल	07/02/2052	राहु	07/02/2068	गुरु	07/02/2087

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
07/02/2087		08/02/2104		08/02/2111		08/02/2131		08/02/2137	
08/02/2104		08/02/2111		08/02/2131		08/02/2137		00/00/0000	
बुध	06/07/2089	केतु	06/07/2104	शुक्र	10/06/2114	सूर्य	29/05/2131	चंद्र	09/12/2137
केतु	03/07/2090	शुक्र	06/09/2105	सूर्य	10/06/2115	चंद्र	27/11/2131	मंगल	10/07/2138
शुक्र	03/05/2093	सूर्य	11/01/2106	चंद्र	08/02/2117	मंगल	03/04/2132	राहु	09/01/2140
सूर्य	09/03/2094	चंद्र	13/08/2106	मंगल	10/04/2118	राहु	26/02/2133	गुरु	10/05/2141
चंद्र	09/08/2095	मंगल	09/01/2107	राहु	09/04/2121	गुरु	15/12/2133	शनि	09/12/2142
मंगल	05/08/2096	राहु	27/01/2108	गुरु	09/12/2123	शनि	27/11/2134	बुध	10/05/2144
राहु	22/02/2099	गुरु	02/01/2109	शनि	08/02/2127	बुध	04/10/2135	केतु	09/12/2144
गुरु	31/05/2101	शनि	11/02/2110	बुध	09/12/2129	केतु	08/02/2136	शुक्र	02/01/2146
शनि	08/02/2104	बुध	08/02/2111	केतु	08/02/2131	शुक्र	08/02/2137		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 1 वर्ष 1 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ-लग्न के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म आकृति से यह निर्देश प्राप्त होता है कि आप में दो प्रकार की विशेषता विद्यमान है। प्रथम तो यह है कि आप आस्तिक विचार धारा के भगवान के प्रति समर्पित प्राणी हैं तथा भगवान से भयभीत रहते है। दूसरा यह है कि आपके मन में धार्मिक तीर्थ-स्थानों का भ्रमण, दर्शन की अभिरूचि रहती है तथा आप दानशील प्रवृति के प्राणी है। आप पूर्ण रूपेण सांसारिक विषयों के प्रति रूचिवान है। आप ऐहिक सुखों के भोग हेतु किस प्रकार धन उपार्जन किया जाए। अर्थात् चाहे जो कुछ भी हों जीवन के अन्तिम किनारे तक सुख भोग एवं आनन्द प्राप्त करें। इसके अतिरिक्त आपको मद्यपान से स्नेह हैं। आप इन दो भिन्न-भिन्न विशेषताओं को किस प्रकार समतल करेगें यह आप ही जानते है।

आप वास्तव में सामंजस्य के विद्यान के ज्ञाता है तथा सामंजस्य स्थापित करते हैं। आप कुशाग्रबुद्धि के प्रशिक्षित विद्वतापूर्ण प्रतिभा सम्पन्न हैं। आप धन प्राप्ति हेतु अनीतिपूर्ण अभिलाषा नहीं रखते।

परन्तु आपकी जन्मजात प्रवृति है कि आपके दिमाग में यह बात रहती है कि किसी भी बातों के सम्बंध में भली प्रकार ज्ञान प्राप्त करें। आप किसी के साथ छल कपट पूर्ण व्यवहार नहीं कर दूसरों के साथ विश्वसनीयता पूर्वक सहयोग एवं सहारा लेकर किसी भी वस्तु को हस्तगत करना चाहिए कि नीति अपनाते हैं।

आपको अपने जीवन में सदैव उत्तम एवं मनोहर आनन्द प्राप्ति की अभिरूचि रहती है क्योंकि कि आप स्वार्थी प्राणी है। इस दृष्टिकोण से आपको विशेषतया सतर्कता अपनाना चाहिए। कम से कम परिवार के सामने अपने व्यक्तिगत महत्वकांक्षा को सीमित रखें। आपको अपनी पति एवं सुसन्तान के प्रति आज्ञाकारी भावनाओं से युक्त समर्पित भाव से सदैव तत्पर रहने से प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। अतः आप निश्चित रूप से परिवारिक सदस्यों के सम्बंध की सीमा का उलंघन नहीं करे। आपको घर गृहस्थी द्वारा संयमित सुख साधन प्राप्त होगा। कर्क राशीय प्रभाव से आप वास्तव में अध्ययन तथा मार्गदर्शन कर सकते है। आप अपने निर्देशित शक्ति सम्पन्नता के पथ पर चलकर दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

आपमें यह सामर्थ्य विद्यमान है कि आप कोई भी कार्य कुशलता पूर्वक सम्पन्न कर सकते हैं। आप अपनी तामसी प्रवृति का त्याग कर अथवा अवरूद्ध कर जन सामान्य में प्रसिद्धि प्राप्त करेगे।

आप औसतन लम्बे छरहरे बदन, चेहरा एवं पूर्ण (गाल) कपोल युक्त सुन्दर है। आप समय के महत्व को समझ कर चल सकते हैं और आप बेढंगे चाल चलन को त्याग दें बल्कि दृढ़तापूर्वक शोभनीय आचरण करें। यदि आप अधिक भोजन ग्रहण करते रहे तो आपके शरीर का अपरिमेय वृद्धि हो जाएगा तथा आप एक असामान्य दिखने लगेंगे। आपकी किशोरावस्था में स्वास्थ्य अच्छी रहेगी तथा आप अधिक समय तक मनोहर सुन्दर दिखेंगे।

आपके शरीर का समुचित विकास होगा। कर्क राशीय सिद्धान्त के प्रभाव से आपकी छाती में तथा पेट सम्बंधी रोगों (समस्याओं) के प्रति सावधानी बरतें क्योकि कुछ वर्षों के पश्चात् पाचन क्रिया विकृत होकर आपके सामने दिक्कतें पैदा कर सकती है। साथ ही आप शान्ति पूर्वक जीवन व्यतीत करने की आदत डालें क्योंकि आप एक सुन्दर (प्रसन्न) प्राणी हैं।

आप हिस्ट्रीया रोग, जॉनडिस (पीलिया रोग) एवं जलोदर रोग से प्रभावित तथा आक्रान्त हो सकते हैं। आप सतर्कता पूर्वक नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आप अंक 4 एवं 6 अंक का व्यवहार हेतु (पसन्द) चुन सकते हैं। अंक 3 एवं 5 अंकों का परित्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीमकलर पीला एवं लाल रंग उत्तम है। कृपया रंग हरा एवं ब्लू रंग के वस्त्रादि धारण नहीं करें।